www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

UGC NET Paper 3 December 17, 2006 Shift 1 Political Science Question Paper

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

D—0206

PAPER—III

Time : 2½ hours] **POLITICAL SCIENCE** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नज़्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उज़्र, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिज़्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिज़्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारज़्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निज़्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संज़्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उज़्र-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उज़्र-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उज़्र-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उज़्र के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

POLITICAL SCIENCE

राजनीति विज्ञान

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE : **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : **यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अज्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उज़र दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।**

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - I

खण्ड—I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निज़्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उज़्र लगभग तीस (30) शज़्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following passage, and answer the questions given at the end of it :

Mahatma Gandhi was not primarily a political thinker, not even a political agitator. He was essentially a religious-minded man, a humanist, and a man of action and intuition. He was a curious amalgam of a mystic and a pragmatist. In his own words, he was not a politician masquerading as a religious man, but a religious man who entered politics because of his great concern for his fellow human beings. He rightly placed Swaraj in the forefront of his programme, and in attaining it he worked out certain principles which could be woven into political philosophy by others. In his case, it was action which led to a certain amount of theorizing and not vice versa. With him, to think was to act.

Mahatma Gandhi had read little in the realm of political thought. But what he read he profoundly assimilated and made his own. His interpretation of some of the original texts such as the Bhagavat Gita was novel. Thus he claimed that while on the surface the Gita taught the use of violence in the vindication of truth and righteousness, it really taught non-violence because of the qualification contained in it, viz., that even if one took up arms he should do it disinterestedly.

Besides the Gita, Mahatma Gandhi had read Patanjali's Yogasutra, the Ramayana and the Mahabharata as well as some Jaina and Buddhist writings which abound in exhortations to truth and non-violence. From the Upanishads he drew much inspiration for his firm faith in non-possession. The ancient teachings of Lav-Tse and Confucius also had some influence on Mahatma Gandhi's moral and political philosophy. Lav-Tse had taught the philosophy of non-assertiveness. From Confucius, Mahatma Gandhi learned the principle of reciprocity, according to which men should not do to

prepp
Your Personal Exams Guide

others what they would not have done to them. Among secular writers, Thoreau, and Ruskin influenced Mahatma Gandhi most. From Thoreau he got much of his inspiration for civil disobedience and the non-payment of taxes. Thoreau's political philosophy was 'maximum co-operation with all people and institutions when they lead towards good and non-cooperation when they promote evil'. Through his works 'Unto this last' and 'Crown of wild olives', Ruskin instilled in Mahatma Gandhi respect for manual labour which lesson he practised until the end of his days. In addition, Tolstoy moulded Gandhi's whole outlook on life. His views on art, religion, and economics, on the relationship between the sexes, no less than on politics were profoundly influenced by Tolstoy. 'The kingdom of God is within you' (Tolstoy's masterpiece) contains practically the whole of Mahatma Gandhi's non-violent non-cooperation programme in its essentials.

निज़्न लेखांश को पढ़िये तथा में दिये गये प्रश्नों के उज़्र दीजिये।

महात्मा गांधी मुज़्यत: राजनैतिक चिन्तक न थे तथा न राजनैतिक प्रक्षोभक ही। वस्तुत: वे धार्मिक विचार के व्यज़्ति थे, मानवीय थे, एवं कर्मशील तथा अन्तर्दृष्टि के व्यज़्ति थे। वे आश्चर्यजनक रूप से रहस्यवादी तथा व्यावहारिक के मिश्रण थे। उनके अपने शज़्दों में वे राजनैतिक व्यज़्ति के रूप में कपटवेषी धार्मिक व्यज़्ति नहीं थे बल्कि एक धार्मिक व्यज़्ति जिन्होंने अपने सहचर जनों के प्रति अत्यन्त व्यग्र होने के कारण राजनीति में प्रवेश किया है। उन्होंने स्वराज को अपने कार्यक्रम में ठीक ही सबसे ऊपर (पुराभाग) रखा है, और इसको प्राप्त करने के लिये उन्होंने कुछ सिद्धान्त बनाये जिसे दूसरों ने राजनैतिक दर्शन के रूप बुन डाला। उनके सन्दर्भ में कर्म के द्वारा ही कुछ सिद्धान्त (मत) स्थापित किये जा सकते हैं इसके विपरीत नहीं। उनके लिये सोचना, कर्म करना है।

महात्मा गांधी ने राजनैतिक विचार के विषय में थोड़ा पढ़ा था, परन्तु जो कुछ उन्होंने पढ़ा, उसे गहन रूप से आत्मसात् करके अपना बना डाला। उनकी कुछ मूल-ग्रन्थों जैसे भगवद्गीता की टीकायें विलक्षण (अपूर्व) थीं। इस प्रकार उन्होंने अधिकार पूर्वक कहा कि, जहाँ गीता सतही रूप से सत्य तथा नीति परायणता (न्याय-परायणता) को प्रतिपादित (प्रतिष्ठित) करने के लिये हिंसा के प्रयोग की शिक्षा देती है। वस्तुत: वह गुणों के होने के कारण अहिंसा की शिक्षा देती है, जैसे यदि कोई अस्त्र भी उठाये तो निष्काम भाव से करें।

गीता के अतिरिज़्त महात्मा गांधी ने पतंजलि के योग-सूत्र, रामायण तथा महाभारत, साथ ही कुछ जैन तथा बौद्ध ग्रन्थों को भी पढ़ा जिनमें सत्य तथा अहिंसा के बहुत उपदेश थे। उपनिषद् से उन्होंने अपरिग्रह में दृढ़ विश्वास

Prepp
Your Personal Exams Guide

का प्रोत्साहन प्राप्त किया। लाओत्से तथा कन्ज़्यूशियस की प्राचीन शिक्षा ने महात्मा गांधी के नैतिक तथा राजनैतिक दर्शन को कुछ प्रभावित किया है। लाओत्से ने स्वग्राहिता (अधिकार की कामना) न रखने की शिक्षा दी है। महात्मा गांधी ने कन्ज़्यूशियस से परस्परता (आपसदारी) का सिद्धान्त सीखा जिसके अनुसार कोई व्यज़्ति दूसरे व्यज़्ति से ऐसा कुछ न करें जो अपने लिये न करना चाहे। धर्म-निरपेक्ष लेखकों में थोरो तथा रस्किन ने महात्मा गांधी को बहुत प्रभावित किया। थोरो से बहुत अधिक प्रभावित होकर उन्होंने सविनय अवज्ञा आन्दोलन तथा कर न देने का प्रोत्साहन प्राप्त किया। थोरो का राजनैतिक दर्शन सभी व्यज़्तियों तथा संस्थाओं को अधिकतम सहयोग जब वे कल्याणकारी हों तथा असहयोग जब वे अनिष्ठ बढ़ा रहे हों अपने ग्रन्थों 'अन-टू-दिस लास्ट' तथा क्राउन आफ वाइल्ड ओलिज़्ज' के द्वारा रस्किन ने महात्मा गांधी को शारीरिक श्रम के प्रति आदर भाव जगाया जिस शिक्षा को गांधी ने अपने अन्तिम दिनों तक निभाया। इसके अतिरिज़्त टालस्टाय ने गांधी के जीवन के प्रति समस्त दृष्टिकोण को ढाल दिया। उनके कला-धर्म तथा अर्थ सज़्बन्धी विचारों एवं नर-नारी सज़्बन्धों जो राजनीति से कम नहीं, गहन रूप से टालस्टाय से प्रभावित हैं 'ईश्वर का राज्य तुज़्हारे भीतर है' 'टालस्टाय की प्रमुख कृति' से वस्तुत: महात्मा गांधी की सज़्पूर्ण अहिंसा तथा असहयोग कार्य विधि के तात्विक अंश अपनाये गये।

Answer the following questions :
निज़्न प्रश्नों के उज़्र दीजिए :

1. Was Mahatma Gandhi a political thinker ?
ज़्या महात्मा गांधी राजनैतिक चिन्तक थे ?

www.prepp.in

2. Summarise the principal ideas of Mahatma Gandhi.

महात्मा गांधी के मुख्य विचारों को संक्षेप में दीजिये।

3. What did Mahatma Gandhi derive from Thoreau ?

महात्मा गांधी ने थोरो से क्या प्राप्त किया ?

www.prepp.in
Prepp
Your Personal Exams Guide

4. Indicate the influence of Epics on Mahatma Gandhi.

रामायण तथा महाभारत का गांधी के ऊपर प्रभाव को बताइये।

5. In what way did Tolstoy influence Mahatma Gandhi ?

टालस्टाय ने गांधी को किस तरह से प्रभावित किया ?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - II

खण्ड—II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्ज़र लगभग तीस (30) शज़्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. What do you understand by 'normative political theory' ?

प्रसामिक राजनीति सिद्धान्त से आप ज़्या समझते हैं ?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

7. Define 'ideology'.

'विचार धारा' की परिभाषा दीजिये।

8. What is a 'pure state' according to Aristotle ?

अरस्तू के अनुसार 'शुद्ध राज्य' ज्या होता है ?

www.prepp.in

9. Define 'General Will'.

'सामान्य इच्छा' की परिभाषा दीजिये।

10. What do you understand by Locke's idea of 'limited government' ?

लॉक के 'सीमित सरकार' के विचार से आप क्या समझते हैं ?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

11. Define 'comparative politics'.

'तुलनात्मक राजनीति' की परिभाषा दीजिए।

12. What do you understand by 'Plural Executive' ?

'बहुल कार्य पालिका' से आप ज्या समझते हैं?

www.prepp.in

13. What are 'Staff Agencies' ?

'स्टाफ सूत्र' ज़्या होते हैं ?

14. What is meant by 'collective responsibility' ?

'सामुहिक उज़रदायित्व' का ज़्या तात्पर्य है ?

www.prepp.in
Prepp
Your Personal Exams Guide

15. What do you understand by the principle of 'checks and balances' ?
'अवरोध एवं सतुंलन' के सिद्धान्त से आप ज़्या समझते हैं ?

16. What do you understand by 'co-operative federalism' ?
'सहयोगी सघंवाद' से आप ज़्या समझते हैं ?

Prepp
Your Personal Exams Guide

17. Define 'Judicial Activism'.

'न्यायिक क्रियाशीलता' की परिभाषा दीजिये।

18. Explain the underlying idea of 'Glasnost'.

'ग्लासनोस्ट' के आधारभूत विचार को समझाइये।

www.prepp.in

19. What do you understand by 'Panchsheel' ?

'पंचशील' से आप क्या समझते हैं ?

20. Define 'Power'.

'शक्ति' की परिभाषा दीजिये।

www.prepp.in

SECTION - III

खण्ड—III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह-बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्ज़र लगभग दो सौ (200) शज़्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. How far is it true to say that Machiavelli developed a new political science ? Elucidate.
यह कहना कहां तक उचित है कि मैकियावेली ने एक नवीन राजनीति-शास्त्र का विकास किया ? परीक्षण कीजिये।

22. Examine the elitist theory of democracy.
प्रजातंत्र के सज़्बन्ध में विशिष्ट जनों के सिद्धान्त की विवेचना कीजिये।

23. 'International relations are influenced more by economic factors in the contemporary world'. Examine.
'आधुनिक विश्व में अतंर्राष्ट्रीय सज़्बन्ध आर्थिक तत्वों से अधिक प्रभावित होते हैं। विवेचना कीजिये।

24. Examine the main characteristics of New Public Administration.
नवीन लोक प्रशासन के प्रमुख लक्षणों की विवेचना कीजिये।

25. How far the administrative culture is conducive for political development in India ? Elucidate.
भारत में प्रशासकीय संस्कृति, राजनीतिक विकास के लिए कहाँ तक सहायक है ? परीक्षण कीजिये।

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - IV

खण्ड—IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. The Need for Electoral Reforms in India.

भारत में निर्वाचन सुधारों की आवश्यकता।

OR / अथवा

Administrative Corruption in India.

भारत में प्रशासकीय भ्रष्टाचार।

OR / अथवा

India's Nuclear Policy.

भारत की परमाणु नीति।

OR / अथवा

Judicial Activism in India.

भारत में न्यायिक क्रियाशीलता।

www.prepp.in
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

prepp
Your Personal Exams Guide

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....